7. साथी हाथ बढ़ाना

साथी हाथ बढ़ाना
एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।
साथी हाथ बढ़ाना।
हम मेहनत वालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया
फ़ौलादी हैं सीने अपने, फ़ौलादी हैं बाँहें
हम चाहें तो चट्टानों में पैदा कर दें राहें
साथी हाथ बढ़ाना।
मेहनत अपने लेख की रेखा, मेहनत से क्या डरना
कल गैरों की खातिर की, आज अपनी खातिर करना

©NCERT not to be republished

अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक
अपनी मंज़िल सच की मंज़िल, अपना रस्ता नेक
साथी हाथ बढ़ाना।
एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत
साथी हाथ बढ़ाना।

❑ *साहिर लुधियानवी*

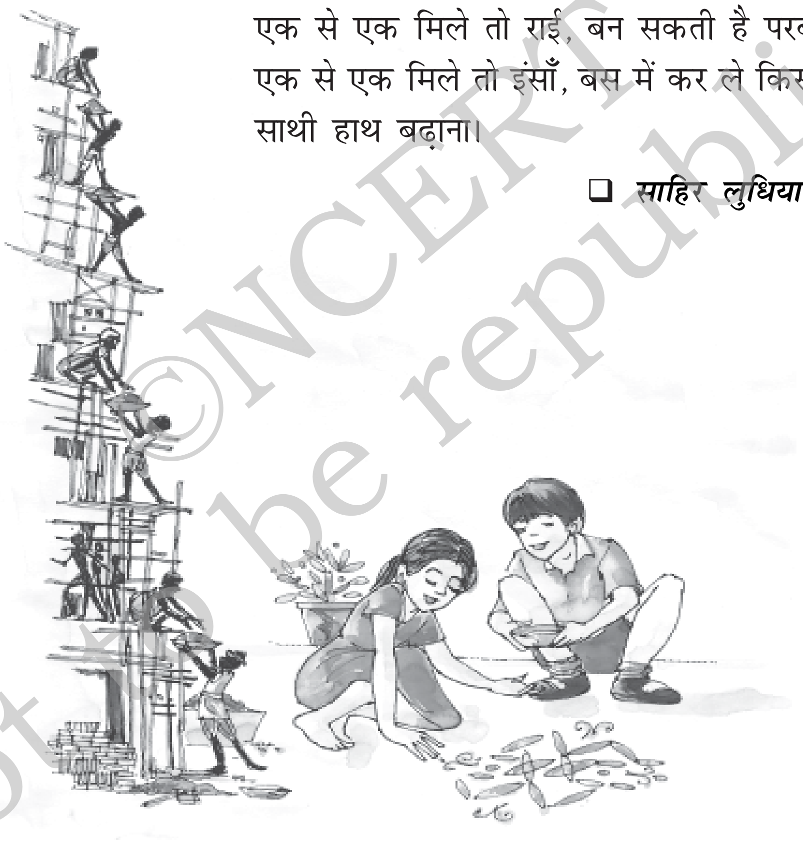

© NCERT not to be republished

प्रश्न-अभ्यास

गीत के बारे में

1. यह गीत किसको संबोधित है?
2. इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की ज़िंदगी में घटते हुए देख सकते हो?
3. 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया'– साहिर ने ऐसा क्यों कहा है? लिखो।
4. गीत में सीने और बाँह को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

गीत से आगे

1. अपने आसपास तुम किसे 'साथी' मानते हो और क्यों? इससे मिलते-जुलते दस शब्द अपने शब्द-भंडार में जोड़ो।
2. 'अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक'
   कक्षा, मोहल्ले और गाँव के किस-किस तरह के साथियों के बीच तुम इस वाक्य की सच्चाई को महसूस कर पाते हो और कैसे?
3. इस गीत को तुम किस माहौल में गुनगुना सकते हो?
4. 'एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना'–
   (क) तुम अपने घर में इस बात का ध्यान कैसे रख सकते हो?
   (ख) पापा के काम और माँ के काम क्या-क्या हैं?
   (ग) क्या वे एक-दूसरे का हाथ बँटाते हैं?
5. यदि तुमने 'नया दौर' फ़िल्म देखी है तो बताओ कि यह गीत फ़िल्म में कहानी के किस मोड़ पर आता है? फिल्म देखो और बताओ।

©NCERT not to be republished

भाषा की बात

1. • अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता।
   • एक और एक मिलकर ग्यारह होते हैं।

   (क) ऊपर लिखी कहावतों का अर्थ गीत की किन पंक्तियों से मिलता-जुलता है?

   (ख) इन दोनों कहावतों का अर्थ कहावत-कोश में देखकर समझो और वाक्य के संदर्भ में उनका प्रयोग करो।

2. नीचे हाथ से संबंधित कुछ मुहावरे दिए हैं। इनके अर्थ समझो और प्रत्येक मुहावरे से वाक्य बनाओ–

   (क) हाथ को हाथ न सूझना

   (ख) हाथ साफ़ करना

   (ग) हाथ-पैर फूलना

   (घ) हाथों-हाथ लेना

   (ङ) हाथ लगना

कुछ करने को

1. बात करते समय हाथ हमारी बात को प्रभावशाली ढंग से दूसरे तक पहुँचाते हैं–

'क्यों' पूछते हाथ	दुआ माँगते हाथ	मना करते हाथ
समझाते हाथ	बुलाते हाथ	आरोप लगाते हाथ
चेतावनी देते हाथ	नारा लगाते हाथ	सलाम करते हाथ

   इनका प्रयोग हम कब-कब करते हैं? लिखिए।

2. नीचे दिए शब्दों में 'हाथ' शब्द छिपा है। इन शब्दों को पढ़कर समझो और बताओ कि हाथों का इनमें क्या काम है?

हथकड़ी	हथगोला	हत्था	हाथापाई
निहत्था	हथकंडा	हथियार	हथकरघा

©NCERT not to be republished

3. इस गीत के जिन शब्दों में नुक्ता लगा है, उन्हें छाँट कर लिखो। जो शब्द तुम्हारे लिए कुछ नए हैं, उनका वाक्यों में प्रयोग करो।
4. 'कल गैरों की खातिर की, आज <u>अपनी</u> खातिर करना।'
   इस वाक्य को हम देखें तो साहिर लुधियानवी इसमें यह कहना चाह रहे हैं–
   (तुमने) कल गैरों की खातिर (मेहनत) की, आज अपनी खातिर करना।
   इस वाक्य में 'तुम' कर्ता है जो गीत की पंक्ति में छंद बनाए रखने के लिए हटा दिया गया है। उपर्युक्त पंक्ति में रेखांकित शब्द '<u>अपनी</u>' का प्रयोग कर्ता 'तुम' के लिए हो रहा है, इसलिए यह सर्वनाम है। ऐसे सर्वनाम जो अपने आप के बारे में बताएँ निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं। (निज का अर्थ 'अपना' होता है।) निजवाचक सर्वनाम के तीन प्रकार होते हैं जो नीचे दिए वाक्यों में रेखांकित हैं–
   - मैं अपने आप (या आप) घर चली जाऊँगी।
   - बब्बन अपना काम खुद करता है।
   - सुधा ने अपने लिए कुछ नहीं खरीदा।

   अब तुम भी निजवाचक सर्वनाम के निम्नलिखित रूपों का वाक्यों में प्रयोग करो–

अपने को	अपने से	अपना
अपने पर	अपने लिए	आपस में

ध्यान देने योग्य शब्द

बोझ	–	भार
फ़ौलादी	–	बहुत कड़ा या मज़बूत
राह	–	रास्ता
गैर	–	पराया, दूसरा

© NCERT not to be republished

खातिर	–	के लिए
नेक	–	ईमानदार, भला
कतरा	–	बूँद
दरिया	–	नदी
ज़र्रा	–	रेत का कण
राई	–	छोटी सरसों का दाना
इंसाँ	–	आदमी

©NCERT not to be republished